K-636

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-609

नाटक एवं नाटिका भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

4th Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. रत्नावली नाटिका का वर्ण्य विषय एवं प्रथम अंक का कथा सार लिखिए।

2. 'मृच्छकटिकम्' नाटक एवं 'रत्नावली' नाटिका में राजा के उदात्त भावों का वर्णन कीजिए।

3. 'मृच्छकटिकम्' के नाटकीय संविधान एवं काव्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए-

(क) केशगात्रश्यामः कुटिल-बलाकावली-रचितशंखः।

विद्युद्गुणकौशेयश्चक्रधर इवोन्नतो मेघः।

(ख) गर्जन्ति शैलशिखरेषु विलम्बिबिम्बा

मेघा वियुक्तवनिताहृदयानुकाराः।

येषां रवेण सहसोत्पतितैर्मयूरैः

खं वीज्यते मणिमयैरिव तालवृन्तैः।।

(ग) भाग्यानि मे यदि तदा मम कोऽपराधः

यद्वन्यनाग इव संयमितोऽस्मि तेन।

दैवी च सिद्धिरपि लंघयितुं न शक्या

गम्यो नृपो बलवता सह को विरोधः? ।।

5. निम्नलिखित श्लोक में से किन्हीं **दो** श्लोकों की व्याख्या कीजिए-

(क) यं समालम्ब्य विश्वासं न्यासोऽस्मासु तया कृतः।

तस्यैतन्महतो मूल्यं प्रत्ययस्यैव दीयते।।

(ख) ऐरावतोरसि चलेव सुवर्णरज्जुः
शैलस्य मूर्ध्नि निहितेव सिता पताका।
आखण्डलस्य भवनोदरदीपिकेयम्
आख्याति ते प्रियतमय हि सन्निवेशम्।।

(ग) नरपतिपुरुषाणां दर्शनाद्भीतभीतः
सनिगडचरणत्वात् सावशेषापसारः।
अविदितमधिरूढो यामि साधोस्तु याने
परभृत इव नीडे रक्षितो वायसीभिः।।

(खण्ड-ख)
(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. 'मृच्छकटिकम्' के षष्ठ अंक के कथा का सारांश लिखिए।
2. 'मृच्छकटिकम्' के स्त्री पात्रों का वर्णन कीजिए।
3. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के कर्ता एवं शूद्रक का परिचय दीजिए।
4. 'मृच्छकटिकम्' के अनुसार शर्विलक के चरित्र का वर्णन कीजिए।

5. 'रत्नावली' के अनुसार यौगन्धरायण का चरित्र-चित्रण स्पष्ट कीजिए।

6. 'रत्नावली' के रचयिता का व्यक्तित्व वर्णन कीजिए।

7. 'रत्नावली' के द्वितीय अंक का कथासार लिखिए।

8. रत्नावली नाटिका के लेखक एवं रत्नावली के स्थान पर प्रकाश डालिए।